भारत सरकार

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 626
दिनांक 25 जुलाई, 2024

इथेनॉल की आपूर्ति के लिए बोलियाँ आमंत्रित किया जाना

†626. श्री टी.एम. सेल्वागणपति :

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने वर्ष 2023-24 के लिए इथेनॉल की आपूर्ति के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं जो 31 अक्टूबर, 2024 को समाप्त होगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या चीनी क्षेत्र के आपूर्तिकर्ता अपने द्वारा उत्पादित इथेनॉल की किसी भी मात्रा की आपूर्ति कर सकते हैं तथा इस पर कोई और प्रतिबंध नहीं होगा और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि चीनी क्षेत्र से प्राप्त इथेनॉल कच्चे तेल के साथ अधिक अनुकूल है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या ओएमसी के पास इथेनॉल उत्पादन के लिए इकाइयां स्थापित करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) वर्तमान एथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2023-24 अर्थात् 1 नवंबर, 2023 से 31 अक्टूबर, 2024 के लिए, तेल विपणन कम्पनियों (ओएमसीज) ने अब तक, नवंबर, 2023, जनवरी, मार्च और मई, 2024 के दौरान एथेनॉल की अधिप्राप्ति के लिए चार निविदा चक्र आमंत्रित किए हैं।

(ख) सरकार एथेनॉल उत्पादन को बढ़ाने के लिए अतिरिक्त चीनी का विपथन करने के लिए चीनी मिलों को प्रोत्साहित कर रही है। तथापि, वर्तमान चीनी सत्र 2023-24 में चीनी उत्पादन में प्रत्याशित कमी के दृष्टिगत एवं मानव उपयोग के लिए घरेलू बाजार में बिना किसी बड़े उतार चढ़ाव के चीनी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए, वर्तमान में सरकार ने वर्तमान ईएसवाई 2023-24 में 24.12 एलएमटी एथेनॉल उत्पादन के लिए चीनी के विपथन पर प्रतिबन्ध लगा दिया है।

(ग) किसी भी फीडस्टॉक से उत्पादित एथेनॉल जो विकृत (डीनेचर्ड) एनहाईड्रस एथेनॉल के भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की विशिष्टीकृत आईएस 15464:2022 को पूरा करता है, बीआईएस मानकों के अनुसार पेट्रोल मिश्रण के लिए अनुकूल है।

(घ) सरकार ने देश में पेट्रोरसायन रूट सहित सेल्यूलोसिक तथा लिग्नोसेल्यूलोसिक बायोमास से दूसरी पीढ़ी (2जी) एथेनॉल उत्पादन को प्रोत्साहित करने के निमित्त 2जी एथेनॉल बायो रिफाइनरियों को स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके "प्रधानमंत्री जी-वन (जैव ईंधन – वातावरण अनुकूल फसल अवशेष निवारण) योजना" को अधिसूचित किया है।

इस योजना के अन्तर्गत, पानीपत (हरियाणा) में इण्डियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) द्वारा वाणिज्यिक दूसरी पीढ़ी (2जी) जैव एथेनॉल परियोजना स्थापित की गई है तथा भटिंडा (पंजाब) में हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), बारगढ़ (ओडिशा) में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), नुमालीगढ़ (असम) में नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड तथा देवेनगिरि (कर्नाटक) में मैंगलोर रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड द्वारा स्थापित की जा रही हैं।

भटिण्डा, बारगढ़ और नुमालीगढ़ की वाणिज्यिक परियोजनाएँ निर्माण के उन्नत स्तर पर हैं। आईओसीएल ने पानीपत, हरियाणा में तीसरी पीढ़ी के एथेनॉल संयंत्र की भी स्थापना की है। एचपीसीएल के पास पहले ही बिहार के सुगौली और लौरिया में प्रथम पीढ़ी के दो एथेनॉल संयंत्र हैं। बीपीसीएल बारगढ़, ओडिशा में प्रथम पीढ़ी का एथेनॉल संयंत्र स्थापित कर रहा है।

****